

سبودھ گپتا (پیدائش 1964، ہندوستان)

سٹینلیس سٹیل

سبودھ گپتا نئی دہلی میں مقیم ایک ہندوستانی فنکار ہیں۔ مختلف ذرائع پر کام کرتے ہوئے، خاص طور پر اس کے مجسمے میں روزمرہ کی چیزیں شامل کی گئی ہیں جو پورے ہندوستان میں ہر جگہ موجود ہیں، جیسے کہ سٹیل کے ٹفن لنچ باکس، تھالی پین، سائیکلیں اور دودھ کے برتن۔ اس طرح کی عام اشیاء سے آرٹسٹ دم توڑنے والے مجسمے تیار کرتا ہے جو اس کے وطن کی معاشی تبدیلی کی عکاسی کرتے ہیں۔ پائی جانے والی اشیاء کا استعمال کرتے ہوئے، گپتا ان اشیاء پر ان کے سابقہ مالکان کے چھوڑے ہوئے نشانات سے متوجہ ہوتے ہیں، اور انہیں بے جان برتنوں سے ان چیزوں میں تبدیل کر دیتے ہیں جن پر زندگی گزارنے کی کہانیاں ہوتی ہیں، جن کا تصور خرونچوں اور ڈینٹوں سے ہوتا ہے۔

گپتا کے زندگی سے بڑے کام اکثر مزاح اور ستم ظریفی سے جڑے ہوتے ہیں اور متعدد فنکارانہ روایات سے منسلک ہوتے ہیں۔ "اسپوننگ" میں، فنکار دو بڑے چمچوں کو پیش کرتا ہے جو ایک دوسرے پر رکھے ہوئے ہیں جیسا کہ اکثر کسی بھی کٹری ٹرے میں مل جاتا ہے۔ آسان کام چشم کشا ہے، نہ صرف اس کی وسعت اور چمکدار سٹینلیس سٹیل کے جسم کی وجہ سے، بلکہ اس وجہ سے بھی کہ جس انداز میں فنکار نے گہرے قربت کے احساس کو اپنی گرفت میں لیا ہے۔ ایک چمچ کا دوسرے میں کامل فٹ ہونا ایک سادہ، حتیٰ کہ ابتدائی، استعارہ ہے، جسے دیکھنے والوں کی نظروں کے سامنے رکھا جاتا ہے، گپتا کا کام اس گھریلو منظر کو توازن اور ہم آہنگی کی حتمی نمائندگی میں بلند کرتا ہے۔



-सुबोध गुप्ता

स्पूनिंग, 2021

एम7



सुबोध गुप्ता (जन्म 1964, भारत)

स्टेनलेस स्टील

सुबोध गुप्ता नई दिल्ली स्थित एक भारतीय कलाकार हैं। विभिन्न माध्यमों में काम करते हुए, विशेष रूप से उनकी मूर्तियों में रोजमर्रा की वस्तुएं शामिल हैं जो पूरे भारत में सर्वव्यापी हैं, जैसे स्टील टिफिन लंच बॉक्स, थाली पैन, साइकिल और दूध की बाल्टी। ऐसी सामान्य वस्तुओं से कलाकार लुभावनी मूर्तियां बनाता है जो उसकी मातृभूमि के आर्थिक परिवर्तन को दर्शाती हैं। मिली हुई वस्तुओं का उपयोग करते हुए, गुप्ता इन वस्तुओं पर उनके पिछले मालिकों द्वारा छोड़े गए निशानों से मोहित हो गए, जिससे उन्हें निर्जीव बर्तनों से जीवित जीवन की कहानियों से भरी वस्तुओं में बदल दिया गया, जो खरोंच और डेंट द्वारा कल्पना की गई थीं।

गुप्ता की जीवन से भी बड़ी रचनाएँ अक्सर हास्य और व्यंग्य से भरी होती हैं और कई कलात्मक परंपराओं से जुड़ी होती हैं। "स्पूनिंग" में, कलाकार दो विशाल चम्मचों को एक दूसरे के ऊपर रखे हुए प्रस्तुत करता है जैसा कि अक्सर किसी कटलरी ट्रे में पाया जाता है। यह सहज काम ध्यान खींचने वाला है, न केवल इसकी विशालता और चमकदार स्टेनलेस स्टील बॉडी के कारण, बल्कि कलाकार द्वारा अंतरंगता की गहरी भावना को पकड़ने के तरीके के कारण भी। एक चम्मच का दूसरे में सही फिट होना एक सरल, यहां तक कि प्राथमिक, रूपक है, फिर भी दर्शकों की आंखों के सामने रखा गया गुप्ता का काम इस घरेलू दृश्य को संतुलन और सद्भाव के अंतिम प्रतिनिधित्व में बढ़ाता है।